रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –41 ● अंक –18 ● कानपुर 16 से 30 सितम्बर 2019 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

प्रपोज़लकर्ताओं को वास्तविकता समझनी होगी–डा0 इदरीसी

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा आयोजित डा0 मैटी की श्रद्धांजलि सभा में बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 मैटी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वर्तमान समय में आई0 डी0सी0 की रिपोर्ट को लेकर जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी में चल रहा है वह कुछ सामान्य सा नहीं है प्रपोज़लों के नाम पर बड़ी बड़ी बातें की जाती रही हैं बड़े बड़े दावे किये जाते रहे हैं लेकिन जब यथार्थ के धरातल पर परीक्षण होता है तो जो परिणाम आते हैं वह हमें चकित कर देते हैं, यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से नज़र आती है कि प्रपोजलकर्ताओं में सामंजस्य नहीं है अब तो प्रपोजलकर्ताओं में भी समूह बन गये हैं और हर समूह अपनी अपनी बात करने लगा है, जिसके कारण प्रपोजलों पर जो वास्तविक कार्य होना चाहिये वह नहीं हो रहा है, यह हम सब के लिये सोचने का विषय है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को यदि समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित करना है तो यह आवश्यक है कि प्रपोज़ल कर्ताओं को वास्तविकता समझनी होगी तभी पैथी अपनी मंजिल पा सकती है, इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक न रहकर सर्वसमाज को मिले, कहने को तो यह कहा जाता है कि जितने भी असाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है जैसा कि पढ़ा और पढ़ाया जाता है उसके अनुसार यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है परन्तु जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या बहुत सीमित है किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिक से अधिक हो, आगे डा0 इदरीसी ने कहा कि यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सम्मान रूप से स्थापित करना है तो चिकित्सा के क्षेत्र में विकास करते हुए आई0डी0सी0 द्वारा वांछित बिन्दुओं पर कार्य करना ही होगा, कहने को तो हमारे पास लाखों की संख्या है किन्तु क्या वह लाखों लोग पैथी के उत्थान के लिये लगे हैं ?**यह भी समझने की आवश्यकता है।** बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने डा0 मैटी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यह कटु सत्य है कि 2003 से 2012 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत कठिन रहा है लेकिन जिस सूझ–बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नायकों ने इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया है तो हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ उठायें जो बीत गया उस पर ही चर्चा करने से अच्छा है कि आगे की सोचें, वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है, प्रतिस्पर्धा में वही टिकता है जिसके पास बौद्धिक सम्पदा का भण्डारण हो, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है परन्तु इस सम्पदा का अभी भी पूर्ण रूप से प्रयोग नहीं हो पा रहा है हमारे चिकित्सकों के मन में पता नहीं कौन सी हीन भावना ने जन्म ले लिया है जिसके कारण वे अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना कौशल प्रदर्शित नहीं कर पा रहे हैं, जो चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में विशुद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें आशातीत सफलता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव जागृत हुआ है। डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हम आश्वस्त हैं कि धीरे–धीरे प्रपोजलकर्ताओं को यह बात समझ में आने लगेगी कि वह अभी वास्तविकता से बहुत दूर हैं और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए अभी

शेष पेज 3 पर

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक संजय सिंह व उनके पुत्र श्री प्रवीर्ण निशाद सांसद (लोक सभा)।

महात्मा मैटी की 123 वीं पुण्य तिथि पर डा0 अजय कुमार पाण्डेय

महात्मा मैटी की 123 वीं पुण्य तिथि पर डा0 प्रमोद सिंह पुष्प अर्पित करते हुये। छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी महात्मा मैटी के 123वीं पुण्य तिथि पर माल्यार्पण करते हुये। – छाया गज़ट

असहज होते संगठन कर्ता

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता हेतु आमंत्रित किये गये प्रपोज़लों के सम्बंध में यह पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि प्रपोज़ल/ सुझाव जो विभिन्न दावेदारों / जनसामान्य / समर्थकों /प्रवर्तकों द्वारा आमंत्रित हैं जो वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की मान्यता में रूचि रखते हों ऐसे व्यक्ति निर्धारित बिन्दुओं पर अभिलेख/ साहित्य /साक्ष्य एवं सूचनायें अन्तरविभागीय समिति को निर्देशानुसार प्रस्तुत करें, समिति द्वारा वांछित प्रपोज़ल बड़ी संख्या में अन्तरविभागीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये जो सम्भवतः एक दूसरे की नकल जैसे थे केवल संगठनों के नाम अलग अलग कर दिये गये थे, अन्तरविभागीय समिति द्वारा निरीक्षण /परीक्षणोंपरान्त बड़ी संख्या में प्रपोज़ल सुयोग्य नहीं पाने के कारण प्रारम्भिक अवस्था में ही अन्तरविभागीय समिति द्वारा बाहर कर दिये गये, निरन्तरता के साथ अन्तरविभागीय समिति ने प्रपोज़लकर्ताओं को सुझाव दिया कि वह एक संयुक्त प्रपोज़ल प्रस्तुत करें संयुक्त प्रपोज़ल में भी वांछित सूचनाओं का अभाव रहा और इसी मध्य कुछ नये प्रपोज़लकर्ता सम्मिलित किये गये जबकि प्रारम्भिक प्रपोज़लकर्ताओं में से कुछ ने किनारा कर लिया इसका उल्लेख अन्तरविभागीय समिति की कार्यवाही में भी किया गया है।

अन्तरविभागीय समिति ने निरन्तर यह प्रयास किया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का प्रकरण अन्तिम हो जाये उसने एक बार फिर संयुक्त संशोधित प्रपोज़ल प्रस्तुत करने का प्रपोज़लकर्ताओं को सुझाव दिया, जिसके लिए समय सीमा भी निर्धारित की गयी, निर्धारित समय सीमा के अन्दर एक बार पुनः प्रपोलकर्ताओं ने अन्तरविभागीय समिति द्वारा वांछित प्रपोज़ल प्रस्तुत किया गया जिसका परीक्षणोंपरान्त कार्यवाही भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय ,स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा 3 जुलाई, 2019 को समस्त सम्बन्धित को सूचनार्थ जारी कर दी गयी, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के प्रकरण का पटाक्षेप कर दिया गया है परन्तु सरकार द्वारा पुनः 13 अगस्त, 2019 को संयुक्त प्रपोज़लकर्ताओं से अन्तरविभागीय समिति की कार्यवाही के क्रम 19.1 , 19.2 एंव 20 पर पुनः सूचनायें एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, प्रपोजलकर्ताओं ने इस हेतु बैठक का आयोजन भी प्रस्तावित किया जो अभी दूर थी इसी मध्य भारत सरकार द्वारा 13 अगस्त, 2019 को जारी एक दूसरा पत्र भी सामने आ गया जिसके द्वारा 6 अलग प्रपोज़लकर्ताओं से सन्दर्भित बिन्दुओं 19.1 , 19.2 एवं 20 पर ही सूचनायें/ साक्ष्य देने के लिए कहा गया सरकार द्वारा परस्पर दो पत्र एक ही विषय पर जारी करने पर पहले से ही अन्तरविभागीय समिति के समक्ष उपस्थिति प्रपोज़लकर्ताओं ने सरकार एवं अन्तरविभागीय समिति के प्रति रोष व्यक्त किया है जो सर्वथा उचित नहीं कहा जा सकता है, सरकार द्वारा नोटिस में यह बात पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के दावेदारों / जनसामान्य /समर्थकों /प्रवर्तकों से जो मान्यता में रूचि रखते हैं वह भी अपनी बात कह सकते हैं सरकार द्वारा दूसरा पत्र जारी करना इसी का अंग समझा जा सकता है, जबकि दूसरे पत्र द्वारा आमंत्रित पहले ही प्रारम्भिक प्रपोज़लकर्ता रहे हैं किन्हीं कारणोंवश वह संयुक्त रूप से सम्मिलित नहीं हो पाये अथवा उन्हें सम्मिलित नहीं किया गया यह दोनों समूहों के प्रपोज़लकर्ता ही समझ सकते हैं सरकार द्वारा इनके अतिरिक्त और भी लोगों/समूहों को आमंत्रित किया जा सकता है इसमें किसी प्रकार के विरोध एवं रोष का कोई स्थान नहीं है संयुक्त प्रपोज़लकर्ताओं/संयुक्त संशोधित प्रपोज़लकर्ताओं को संयम से काम लेना चाहिये यदि इसमें उनका कोई हित निहित है तो उसे स्थान देते हुए कार्य को आगे बढ़ाना चाहिये और उन्हें यह भी विश्वास रखना चाहिये कि जो साथी/समूह सम्मिलित हो रहे हैं वह उनके ही साथी/सहयोगी हैं और उनका भी लक्ष्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दिलाने का ही है, वर्तमान स्तर पर यदि किन्हीं करणोंवश कोई मन मुटाव या दुराव होता है तो यह न तो उनके हित में और न ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में होगा इसलिए सभी संयुक्त/ संशोधित प्रपोज़लकर्ताओं को चाहिये कि वे सभी को साथ लेकर संयमित रहते हुए कार्य को गति प्रदान करने का प्रयास करें यही आज की आवश्यकता है।

याद किये गये डा0 राम अकबाल मौर्या

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, जौनपुर में मंच पर डा0 जुगल किशोर चौरसिया, मध्य में एवं उनके बांये डा0 पी0 के0 मौर्या प्रधानाचार्य– छाया गज़ट

जौनपुर। भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट पानदरीबा के प्रांगण में इन्सटीट्यूट के संस्थापक स्व0 डा0 राम अकबाल मौर्या की पुण्यतिथि के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया स्व0 राम अकबाल मौर्या ने सन् 1973 में घनश्यामपुर बाजार में श्रीमती बेला रानी आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना की थी जिसमें 1976 से 1982 तक आयुर्वेदिक की शिक्षा दीक्षा प्रदान की जाती रही, 1982 से मुख्यालय पानदरीबा में महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट की स्थापना डा0 राम अकबाल ने की थी, आज उनकी 17 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्य अतिथि उनके परम मित्र डा0 जुगलकिशोर चौरसिया ने डा0 राम अकबाल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए बताया कि डा0 राम अकबाल में अनेकों प्रतिभायें छिपी थीं वह गरीब एवं जरूरतमन्दों का निःशुल्क इलाज करते थे इस अवसर पर उपस्थित समस्त व्यक्तियों एवं अतिथियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में अनेक चिकित्सकों ने भाग लिया जिनमें से प्रमुख रूप से डा0 शमीम अहमद, डा0 एस0 एल0 चौधरी, डा0 एन0 के0 अस्थाना, डा0 आर0 के0 चित्रवंशी, डा0 सुशील कुमार प्रियदर्शी, डा0 नदीम हुसैन, डा0 इकबाल हुसैन, डा0 दिनेश यादव आदि थे कार्यक्रम का संचालन महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्य ने किया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की मांग अन्तराष्ट्रीय मंच से भी

No U-11018/01/2019-HR(ASM)(Vol.II)
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
(Department of Health Research)

2nd Floor, IRCS Building,
1, Red Cross Road, New Delhi-110001
Dated, 02nd September, 2019

To

Dr. Debasish Kundu,
Vice-President,
International Council of Electro Homeopathy,
Flat # G4A, EF Block, Vikram Vihar,
493/B/19, G.T. Road (S),
Kolkata-711102

Subject: Recognition of Electrohomoeopathy system of medicine

Sir,

I am directed to refer to the representation No. ICEH/0673, dated 31.05.2019 - addressed to the Hon'ble Prime Minister - received from the President & C.E.O., International Council of Electro Homeopathy (ICEH), on the above subject, and to state that based on the proposals that had been received from a large number of organisations, the issue of grant of recognition to Electrohomoeopathy system is under consideration of the committee set up by the Government. In any case, copies of the papers, received from ICEH, have now been forwarded to the committee for their perusal.

Yours faithfully,

(D.R. Meena)
Deputy Secretary to the Government of India
Tel. No. 23736901

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक, प्रखर वक्ता, जुझारु नेता एवं श्री नागेश्वर सिंह विद्या भवन दयलापुर, कप्तानगंज जनपद बस्ती के प्रधानाचार्य डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री अध्यापक सम्मान से शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया, डा0 श्रीवास्तव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक के साथ-साथ जन्तुविज्ञान में एम0एससी0 तथा पी0एच0डी0 हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा के साथ-साथ लगभग पिछले 32 वर्षों से शिक्षण कार्य में लगे हुये हैं, इस अवधि में महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के बाद श्री नागेश्वर सिंह विद्याभवन, दयलापुर, कप्तानगंज जनपद बस्ती में कुशल प्रधानाचार्य के रुप में अपनी सेवायें दे रहे हैं, डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव वित्तविहीन शिक्षक महासंघ के प्रमुःख महा सचिव की भूमिका भी निभा रहे हैं।

डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव को शिक्षक दिवस पर माननीय योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उ0प्र0 सम्मानित करते हुये साथ में उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा व बायें प्रदेश की राज्यपाल।

वित्तविहीन शिक्षकों के कल्याण हेतु निरन्तर यह आन्दोलन चलाया करते हैं तथा वर्तमान समय में सरकार से शिक्षकों के वेतन की मांग भी कर रहे हैं।

इनका तर्क है कि सरकार जब बेरोजगारों को एक निश्चित धन राशि उपलब्ध करा सकती है तो फिर इन शिक्षकों के साथ क्यों अनन्याय किया जा रहा है! वास्तव में डा0 श्रीवास्तव के आन्दोलनों का ही परिणाम है कि प्रदेश सरकार ने वित्तविहीन शिक्षकों को मुख्य मंत्री शिक्षक सम्मान से सम्मानित करने का निश्चिय किया।

ज्ञातव्य हो कि प्रदेश भर से 15 वित्तविहीन शिक्षकों को सरकार द्वारा सम्मानित करने का निश्चिय प्रदेश में पहली बार किया गया है जिसमें से डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव एक हैं डा0 श्रीवास्तव निरन्तर शिक्षकों के लिये सक्रीय रहते हैं तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने व दिलाने का प्रयास करते हैं उनका सपना है कि प्रदेश का हर बच्चा शिक्षित हो।

प्रपोज़लकर्ताओं को वास्तविकता ...... प्रथम पेज से आगे

बहुत कुछ करना होगा। इलेक्ट्रो होम्योपैथी - इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही बनी रहे इसलिए आवश्यक है कि इस स्थापित चिकित्सा पद्धति का वास्तविक विकास किया जाये और विकास का स्वरूप कुछ इस तरह का हो जिसका लाभ आमजन भी उठा सकें तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा0 प्रमोद सिंह,अरूण कुमार अरोड़ा,डा0 राम औतार कुशवाहा,एवं डा0 अजय कुमार पाण्डेय आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रांगण में मैटी निर्वाण दिवस के अवसर पर पुष्पांजली अर्पित करते हुये बी0ई0एच0एम0 के वरिष्ठ सहयोगी श्री मो0 वसीम - छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रांगण में मैटी निर्वाण दिवस के अवसर पर पुष्पांजली अर्पित करते हुये डा0 राम अवतार कुशवाहा - छाया गज़ट

123वें मैटी निर्वाण दिवस के अवसर पर इहमाई के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा माल्यार्पण करते हुये - छाया गज़ट

हमीरपुर- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी की पुण्यतिथि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय में मनायी गयी डा0 मैटी की श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बोलते हुए बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र के सलाहकार श्री गणेश सिंह विद्यार्थी ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लिए भारत सरकार द्वारा सभी राज्य सरकारों को आदेश जारी किया जा चुका है जबकि उत्तर प्रदेश शासन पहले ही आदेश जारी कर चुका है पुण्यतिथि कार्यक्रम में उपस्थित सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने डा0 काउण्ट सीजर मैटी के यह सन्देश को कि वह अपने रास्ते से न भटके और अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए लोगो की सेवा में लगे रहे। रोगियों की सच्ची लगन से सेवा करना ही हमारा धर्म है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के बुन्देलखण्ड प्रभारी/प्रवक्ता डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने डा0 मैटी को श्रंदाजलि दी एवं सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सको को यह सन्देश दिया कि वह अपने रास्ते से न भटके तथा अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए लोगों की सेवा में लगे रहे। कार्यक्रम में डा0 ऋचा ओमर,डा0 कान्ता ,डा0 मनोज प्रजापति,डा0 अरशद अन्सारी ,डा0 मेहरगुप्पर निगम,डा0 अरूणा त्रिपाठी के साथ श्रटि व रेहाना आदि लोग उपस्थित थे।

लखनऊ- अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट साईधाम,इन्द्रपुरी कालोनी,सीतापुर रोड में मैटी श्रदांजलि सभा का आयोजन किया गया इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 आर0के0कपूर के साथ उप प्राचार्य डा0 आशुतोष कपूर,डा0 मिहिर विशन स्वरूप तथा श्री एम कुमार जी ने डा0 मैटी को माला अर्पण करते हुए श्रदांजलि अर्पित की।

मैटी निर्वाण दिवस के अवसर पर सम्बोधित करते हुये डा0 अतीक अहमद रजिस्ट्रार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 - छाया गजट

डा0 आर0 के0 शर्मा प्रधानाचार्य लखीमपुर शिक्षक दिवस पर छात्रों एवं चिकित्सकों के साथ केक काटते हुये।

आयुष परिवार में छठा सदस्य शामिल हुआ सोवा रिग्पा

देश में प्रचलित आयुर्वेद, योगा, सिद्धा, यूनानी एवं होम्योपैथी जिसे सम्मिलित रूप से आयुष के नाम से जाना जाता है जिसके लिए देश में चिकित्सा मन्त्रालय से भिन्न एक स्वतन्त्र मन्त्रालय भी स्थापित है जो आयुष मन्त्रालय के नाम से जाना जाता है जिसके लिए एक स्वतन्त्र प्रभार का एक मंत्री भी है वर्तमान में इस मन्त्रालय में गोवा से निर्वाचित सांसद श्री श्रीपाद यशो नाईक इस मन्त्रालय के मंत्री हैं। पिछली 30 अगस्त, 2019 को भारत सरकार द्वारा देश के लगभग एक दर्जन वैद्यों, हकीमों, योगा एवं नेचरोपैथी के चिकित्सकों के सम्मान का आयोजन किया गया इस अवसर पर डाक टिकट भी जारी किये गये थे, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने आयुष परिवार में छठे सदस्य के रूप में सोवा रिग्पा सम्मिलित करते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि आयुष परिवार में अब पाँच के बजाय छः पद्धतियां हो गयी हैं उन्होंने कहा कि सोवा रिग्पा तिब्बतन पारम्परिक चिकित्सा पद्धति है जो भारत से बहुत नज़दीक है और आयुर्वेद से भी इसकी निकटता है।

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE,U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION SEPTEMBER 2019

Name of the course	25 th September , 2019 Wednesday	26 th September , 2019 Thursday	27 th September, 2019 Friday	28 th September , 2019 Saturday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy &Philosophy	XX	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science	XX
F.M.E.H. 3rd. Semester	Opthalmology including E.N.T.	M.Jurisprudence & Toxicology	**Dietetics**	XX
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	Materia Medica	Practice of Medicine	XX
A.C.E.H.	Anatomy& Physiology	Pharmacy-Philosophy & Materia Medica	Pathology-Hygiene & Health-M.Jrisprudence&Toxicology	Midwifery-Gynics-Opthalmology incl. E.N.T. & Practice of Med.

Timing → 8: 00 A.M. to 11:00 A.M.

Ateeq Ahmad
Examination Incharge

प्रधानमंत्री ने देश के 12 चिकित्सकों का सम्मान कर जारी किये डाक टिकट

देश की राजधानी नई दिल्ली में FIT INDIA के अन्तर्गत आयुष एवं योग का संयुक्त आयोजन किया गया जिसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने योग एवं आयुष से जुड़े हुए देश एंव विदेश के अनेकों चिकित्सकों का सम्मान किया तथा साथ ही एक साथ 12 लोगों के डाक टिकट भी जारी किये इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि यह कोई नया काम नहीं है जो डाकटिकट जारी किये जा रहे हैं बल्कि नया यह है कि अब तक जो डाक टिकट जारी किये जाते रहे हैं वह नामचीन लोगों, राजनेताओं एवं बड़े लोगों के नाम होते रहे हैं। यह पहला अवसर है कि आज जो डाक टिकट जारी किये गये वह उन लोगों के नाम हैं जिन लोगों ने अनवरत बिना किसी साधन सुविधा के 40 सालों तक समाज में लोगो को रोगमक्त एवं जीवन शैली को सुधारने का काम किया है, यही आज का नया भारत है उन्होंने कहा कि इन 12 लोगों में महात्मा गांधी के वह निजी प्राकृतिक चिकित्सक भी हैं जिन्होंने गांधी जी का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से इलाज करते रहे हैं और गांधी जी ने उनकी सलाह से ही सारा जीवन प्राकृतिक सिद्धान्तों पर व्यतीत किया।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने इटली एवं जापान के दो व्यक्तियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह दोनों व्यक्ति पिछले 40 सालों से अपने अपने देशों में योग पर कार्य कर रहे हैं अब सोचने का विषय यह है कि योग को पिछले कुछ सालों में ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है जबकि यह मान्यता की चिन्ता किये बिना 40 साल से अपने कार्य में लगे हुए हैं माननीय प्रधानमंत्री की इस बात से यह सन्देशु मिलता है कि अनवरत किसी कार्य में लगे रहने से एक समय ऐसा भी आता है जब उसे उसका वास्तविक महत्व प्राप्त होता है। यो ग एवं आयुष के इस कार्यक्रम में देश के दो हकीमों सहित 12 लोगों का सम्मान किया गया जो आयुर्वेद, सिद्धा, योगा, प्रकृतिक चिकित्सा एंव होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान रखते हैं।

बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, हमीरपुर में मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर विचार व्यक्त करने के पश्चात चिकित्सकों का समूह – छाया गज़ट

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, लखनऊ के प्राचार्य डा0 आर0 के0 कपूर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते